पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय

सावधिक परीक्षा **1** हिंदी कक्षा- **6** पूर्णांक- **40**

प्रश्न सं **1** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो **5**

1 . कोयल कहाँ रहती है?

2 श्रीकृष्ण ने क्या सुनाया था?

3 ध्यानचंद की सफलता का क्या रहस्य था?

4 बारिश की पहली बूँद से धरती का हर्ष कैसे प्रकट होता है?

5 कविता में आकाश और बादलों को किनके समान बताया गया है?

प्रश्न सं **2** नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है**?** उसके सामने तारा **(**से**)** बनाइए- **6**

1. कविता में 'नव-जीवन की ले अंगड़ाई' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है**?**

बादल अंकुर बूँद पावस

2. 'नीले नयनों-सा यह अंबर**,** काली पुतली से ये जलधर' में 'काली पुतली' है

बारिश की बूँदें नगाड़ा वृद्धधरती बादल

3 **"**दोस्त**,** खेल में इतना गुस्सा अच्छा नहीं। मैंने तो अपना बदला ले ही लिया है। अगर तुम मुझे हॉकी नहीं मारते तो शायद मैं तुम्हें दो ही गोल से हराता।**"** मेजर ध्यानचंद की इस बात से उनके बारे में क्या पता चलता है**?**

वे अत्यंत क्रोधी थे। वे अच्छे ढंग से बदला लेते थे।

उन्हें हॉकी से मारने पर वे अधिक गोल करते थे। वे जानते थे कि खेल को सही भावना से खेलना चाहिए।

4 लोगों ने मेजर ध्यानचंद को 'हॉकी का जादूगर' कहना क्यों शुरू कर दिया**?**

उनके हॉकी खेलने के विशेष कौशल के कारण उनकी हॉकी स्टिक की अनोखी विशेषताओं के कारण

हॉकी के लिए उनके विशेष लगाव के कारण उनकी खेल भावना के कारण

5 हिंद महासागर के लिए कविता में कौन-सा शब्द आया है**?**

चरण वंशी हिमालय सिंधु

6 मातृभूमि कविता में मुख्य रूप से **-**

भारत की प्रशंसा की गई है। भारत के महापुरूषों की जय की गई है।

भारत की प्राकृतिक सुंदरता की सराहना की गई है। भारतवासियों की वीरता का बखान किया गया है।

मिलकर करें मिलान

प्रश्न सं **3** कविता की कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन पंक्तियों में कुछ शब्द रेखांकित हैं। दाहिनी ओर रेखांकित शब्दों के भावार्थ दिए गए हैं। इनका मिलान कीजिए। **4**

कविता की पंक्तियाँ	भावार्थ
1. आसमान <u>में उडता सागर</u>, लगा बिजलियों के स्वर्णिम पर	1. मेघ गर्जना
2. <u>बजा नगाड़े</u> जगा रहे हैं, बादल धरती की तरुणाई	2. बादल
3<u>. नीले नयनों सा</u> यह अम्बर, काली पुतली-से ये जलधर।	3. हरी दूब
4. वसुंधरा की <u>रोमावलि-सी</u>, हरी दूब पुलकी-मुसकाई।	4. आकाश

प्रश्न सं **4** उचित मिलन करो **3**

स्तंभ **1**	स्तंभ **2**
1. वह जन्मभूमि मेरी वह मातृभूमि मेरी।	1. यहाँ आम के घने उद्यान हैं जिनमें कोयल आदि पक्षी चहचहा रहे हैं।
2. चिड़ियाँ चहक रही हैं, हो मस्त झाड़ियों में।	2. मैंने उस भूमि पर जन्म लिया है। वह भूमि मेरी माँ समान है।
3. अमराइयाँ घनी हैं कोयल पुकारती है	3. वहाँ की जलवायु इतनी सुखदायी है कि पक्षी पेड़-पौधों के बीच प्रसन्नता से गीत गा रहे हैं

प्रश्न सं **5** कविता के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो **5**

जन्मे जहाँ थे रघुपति, जन्मी जहाँ थी सीता, श्रीकृष्ण ने सुनाई, वंशी पुनीत गीता।

गौतम ने जन्म लेकर, जिसका सुयश बढ़ाया, जग को दया सिखाई, जग को दिया दिखाया।

1 रघुपति कहाँ जन्मे थे ?

2 श्री कृष्ण ने क्या सुनाया ?

3 किसने भारत का सुयश बढाया ?

4 जग को दया किसने सिखाई ?

5 उपर दी गयी कविता का नाम क्या है ?

प्रश्न सं **6** पठित गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो **5**

थोड़ी देर बाद मैं पट्टी बाँधकर फिर मैदान में आ पहुँचा। आते ही मैंने उस खिलाड़ी की पीठ पर हाथ रखकर कहा, "तुम चिंता मत करो, इसका बदला मैं जरूर लूँगा।" मेरे इतना कहते ही वह खिलाड़ी घबरा गया। अब हर समय मुझे ही देखता रहता कि मैं कब उसके सिर पर हॉकी स्टिक मारने वाला हूँ। मैंने एक के बाद एक झटपट छह गोल कर दिए। खेल खत्म होने के बाद मैंने फिर उस खिलाड़ी की पीठ थपथपाई और कहा, "दोस्त, खेल में इतना गुस्सा अच्छा नहीं। मैंने तो अपना बदला ले ही लिया है।

1. थोड़ी देर बाद पट्टी बांध कर कौन मैदान में आया ?
2. "दोस्त, खेल में इतना गुस्सा अच्छा नहीं। किसने कहा ?
3. ध्यानचंद को चोट कैसे लग गयी थी ?
4. किसने झटपट छ गोल किये ?
5. उपरोक्त गद्यांश किस पाठ से लिया गया है

प्रश्न सं **7** कविता के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो **5**

नीले नयनों-सा यह अंबर, काली पुतली-से ये जलधर।

करुणा-विगलित अश्रु बहाकर, धरती की चिर-प्यास बुझाई।

1 आकाश को किसके समान बताया है ?

2 काली पुतली किसे कहा है ?

3 जलधर किसका पर्यायवाची शब्द है ?

4 करुणा से विगलित कौन हुआ ?

5 धरती की प्यास किसने बुझाई ?

प्रश्न सं **08** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो **2 x 2 = 4**

1 बारिश की पहली बूँद से धरती का हर्ष कैसे प्रकट होता है?

2 कविता में आकाश और बादलों को किनके समान बताया गया है?

प्रश्न सं **9** निम्नलिखित कविता को पूरा करो **3**

ऊँचा खड़ा हिमालय ....चूमता है, नीचे चरण तले झुक, नित .... झूमता है।

गंगा यमुन .... नदियाँ लहर रही हैं, जगमग छटा निराली, पग पग छहर रही हैं।